SET D

Name of the course: CBCS B.A. (Hons) Economics Semester VI

Name of the paper: Political Economy II (DSE)

UPC: 12277601

Time: 3 hours Maximum Marks: 75

Attempt any four questions. All questions carry equal marks. Note that Questions 4, 5 and 6 also have internal choice.

किन्ही चार प्रश्नों का उत्तर दें। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। ध्यान दें कि प्रश्न 4, 5 और 6 में आंतरिक विकल्प भी हैं।

1. How do inequalities of power and wealth affect environmental valuation and environmental time preference? Discuss.

शक्ति और धन की असमानताऐं पर्यावरण के मूल्यांकन और पर्यावरणीय समय प्राथमिकता को कैसे प्रभावित करती है? चर्चा करें।

2. What are the limitations of the transaction costs approach in explaining cross-border industrial organisation prevalent in the case of global value chains? Explain. Discuss the different prototype global value chain governance patterns theorised by Gary Gereffi and others.

वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के मामले में प्रचलित सीमा—पार औद्योगिक संगठन की व्याख्या करने में लेनदेन लागत के दृष्टिकोण की सीमाएं क्या हैं? स्पष्ट कीजिए। गैरी गरेफी और अन्य द्वारा वर्गीकृत विभिन्न प्रोटोटाइप वैश्विक मूल्य श्रृंखला शासन पैटर्न पर चर्चा करें।

3. Discuss the view that the neoliberal state is an unstable political form. Explain the rise of neoconservative ideology and practices in this context.

इस विचार पर चर्चा करें कि नवउदारवादी राज्य एक अस्थिर राजनीतिक रूप है। इस संदर्भ में नवरूढ़िवादी विचारधारा और प्रथाओं के उदय की व्याख्या करें।

4. (a) Synoptically trace the evolution of the Multinational Corporations (MNCs). Explain the enabling structural features and the strategic implications of the fact that product development and marketing replaced current production as the dominant concern of the MNCs.

OR

(b) Explain the transformation in the nature of corporate governance from managerial

capitalism to investor capitalism. Discuss the changes in class configuration, tactical changes and shifts in corporate ideology which enabled such a transformation.

(क) संक्षिप्त में बहुराष्ट्रीय निगमों (एम.एन.सी.) की उदय का प्ररूप पेश करें। वर्तमान उत्पादन के बजाए उत्पाद विकास और विपणन का बहुराष्ट्रीय कंपनियों की प्रमुख चिंता बन जाने के संरचनात्मक और रणनीतिक निहितार्थ को समझाएं।

अथवा

- (ख) प्रबंधकीय पूंजीवाद से निवेशक पूंजीवाद के काल में कॉर्पोरेट प्रशासन की प्रकृति में रूपांतरण की व्याख्या करें। कॉरपोरेट विचारधारा में सामरिक परिवर्तनों और बदलावो औरं वर्ग व्यवस्था के प्रारूप में परिवर्तनों पर चर्चा करें जिसने इस तरह का रूपांतरण को सक्षम बनाया।
- 5. (a) Discuss the changes in the structures of production, consumption and spatial organisation of economic activities that accompanied the transition from Fordist to the Post-Fordist regimes.

OR

- (b) Critically discuss the Neo-Smithian analysis of the transition from Fordism to Post-Fordism. Discuss the contrary ways in which the term "flexibility" can be interpreted in the context of Post-Fordist production and labour processes.
- (क) फोर्डिस्ट से पोस्ट-फोर्डिस्ट शासन में संक्रमण के साथ उत्पादन की संरचना, उपभोग, और आर्थिक गतिविधियों स्थानिक संगठन में बदलाव पर चर्चा करें।
- (ख) आलोचात्मक रूप से फोर्डवादी से उत्तर फोर्डवादी संक्रमण के नव—िस्मिथियन विश्लेषण पर चर्चा करें। शब्द "लचीलापन" की व्याख्या पोस्ट—फोर्डिस्ट उत्पादन और श्रम प्रक्रियाओं के संदर्भ में किस प्रकार विपरीत तरीको से की जा सकती है, इसपर चर्चा करें।
- 6. (a) Analyse how gender has been a major element in the spatial dimension of globalization, both in the construction of new spaces of production and in the new patterns of international migration.

OR

- (b) Analyse how globalization has heightened informal work, vulnerable employment and economic insecurity. Do women generally face the brunt of these more than men?
- (क) विश्लेषण करें कि कैसे वैश्वीकरण के स्थानिक आयाम में लिंग एक प्रमुख तत्व रहा है, दोनों उत्पादन के नए स्थानों के निर्माण और अंतरराष्ट्रीय प्रवास के नए पैटर्न में। अथवा
- (ख) विश्लेषण करें कि किस प्रकार वैश्वीकरण ने अनौपचारिक काम, कमजोर रोजगार और आर्थिक असुरक्षा को बढ़ाया है। क्या महिलाओं को आम तौर पर पुरुषों की तुलना में इन का खामियाजा भुगतना पड़ता है?